समयसीमा | निर्माण कार्यों की कर ली गई तैयारी

अगले साल तक गांधी सेतु का जीर्णोद्धार

राज्य ब्यूरो, पटना : गांधी सेतु पर एक लेन के नए सुपर स्ट्रक्चर निर्माण का काम अगले वित्तीय वर्ष से शुरू हो जाएगा। निर्माण एजेंसी ने इसे दिसंबर 2018 तक पूरा कर लेने का आश्वासन दिया है। अगले महीने से पुल को तोड़ने और निर्माण का काम साथ-साथ चलेगा। निर्माण कार्यों की तैयारी भी कर ली गई है। सामग्री कोलकाता में बनवाई जा रही है जिसे मार्च तक पटना लाया जाएगा। कुछ मशीनें जर्मनी से मंगाई गई हैं।

केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों के साथ राज्य पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव अमृत लाल मीणा ने बुधवार को गांधी सेतु के जीर्णोद्धार की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान अधिकारियों ने निर्माण कार्यों में सुस्ती पर एजेंसी को फटकार लगाई। अगले साल तक कम से कम एक लेन का काम पूरा कर लेने का निर्देश दिया। पुल

निर्माण

- अधिकारियों ने की सेतु निर्माण कार्यों की समीक्षा
- पुल को तोड़ने-जोड़ने का काम अगले महीने से

पर जंगरोधी स्टील स्ट्रक्चर लगाया जाना है। अब पुल तोड़ने के बाद जोड़ने का काम भी हाजीपुर छोर से ही किया जाएगा। तोड़ने का काम पानी वाले भाग में पहुंचने पर पुल को सहारा दिया जाएगा। सतह को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर मशीन के जरिए नीचे लाया जाएगा, ताकि मलबा पानी में न गिरे। पीपा पुल के जरिए भी मलबे को बाहर लाया जाएगा। निर्माण के दौरान राजधानी पटना से उत्तर बिहार की ओर जाने और पटना की ओर आने वाले वाहनों का परिचालन बाधित न हो, इसकी व्यवस्था की जा रही है।

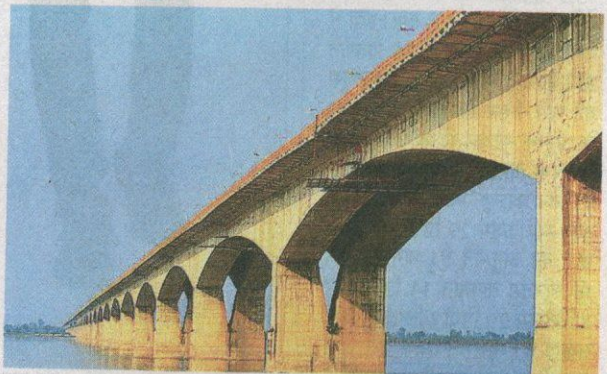

पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पानी वाले हिस्से में पुल को तोड़ने का क्रम जनवरी से शुरू होगा। इस क्रम में मलबे को पानी में गिरने से भी बचाना है। इसकी व्यवस्था की जा रही है। ऐसी मशीनें मंगाई जा रही है, जिसकी मदद से मलबे को ऊपर-ऊपर ही खींचा जा सके। अब तक 18 स्पैन में पुल तोड़ने का काम पूरा हो चुका है। गुरुवार से आगे के स्पैन को तोड़ने का काम शुरू होगा। निरीक्षण में केंद्रीय मंत्रालय के एडीजी बीएन सिंह, क्षेत्र पदाधिकारी राजेश कुमार और विभाग के मुख्य अभियंता अवधेश कुमार शामिल थे।